डॉ० शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
एस० आर० ए० पी० कॉलेज,
बारा चकिया

B.A Part - I
M.I.L.
HINDI

Subject - HINDI

जगदीश चंद्र माथुर का परिचय

जगदीशचंद्र माथुर मूलत: नाटककार थे। नाटकों को इतिहास पर्यावरण में घटित करने या रचने का मोह भी मिलता है। परन्तु समसमायिक को अनुभव के रूप में अनुभूत करके उसकी प्रामाणिकता को संस्कृति के माध्यम से सिद्ध करने का आग्रह उनके नाटकों में है।

जगदीश चंद्र माथुर का जन्म 16 जुलाई 1917 ई० को शाहजहाँपुर उत्तर प्रदेश में हुआ। इनकी प्रारंभिक शिक्षा खुर्जा में हुई। इन्होंने अंग्रेजी में एम० ए० इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1939 ई० में किया। प्रयाग विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण और प्रयाग के शैक्षणिक - साँहित्यिक संस्कार रचनाकार के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। 1941 ई० में वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त हुए। जगदीश चंद्र का लेखन उनके अध्ययन काल से ही प्रारंभ होता है।

1930 ई० में तीन छोटे नाटकों के माध्यम से वे अपनी सृजनशीलता के धारा के प्रति उन्मुख हुए। इनकी रचनाओं में- भोर का तारा, कोणार्क, ओ मेरे सपने, शारदीया इत्यादि हैं।

Scanned by CamScanner

जगदीशचंद्र माथुर ने कुछ ललित व्यक्ति व्यंजक या रम्य निबंध भी लिखे हैं। ये निबंध व्यक्ति, भाव और वस्तु प्रधान है।

Scanned by CamScanner